St. Lawrence High School

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

Hindi Study Material (1)

Class- 10 पाठ - नमक

Date: 04/05/2020

लेखिका परिचय

रजिया सज्जाद ज़हीर उर्दू की कहानी लेखिका थी। जिनका जन्म 25 फरवरी सन 1913 को राजस्थान के अजमेर शहर में हुआ था। उनका निधन 18 दिसंबर 1979 को हुआ था।
आधुनिक उर्दू कथा साहित्य में रजिया का महत्वपूर्ण स्थान है। कहानी, उपन्यास दोनों का निर्माणइनके द्वारा हुआ है। साथ ही उन्होंने उर्दू में बाल साहित्य की भी रचना की। कई अन्य भाषाओं से उर्दू में कुछ पुस्तकों के अनुवाद भी उनके द्वारा हुए हैं। रजिया की भाषा सहज, सरल होने के साथ-साथ ही मुहावरेदार भी हुआ करती थी।
रजिया सज्जाद जाहिर की कहानियों में सामाजिक यथार्थ एवं सहज मानवीय गुणों का सामंजस्य प्राप्त होता है और यही उनकी कहानियों की विशेषता भी है। वह धार्मिक सहिष्णुता को भी अपने साहित्य में स्थान दी थी, इससे हिंदू, मुसलमान के संबंध को बढ़ावा मिलता है। आधुनिक संदर्भों में बदलते हुए पारिवारिक के मूल्यों को उभारने का सफल प्रयास उनके द्वारा प्राप्त हुआ है। वे अपने अंदर पूर्ण नैतिकता को समाए हुए है।
रजिया सज्जाद ज़हीर की कुछ प्रमुख रचनाएँ है- जर्द गुलाब उनकी उर्दू कहानी संग्रह है। प्रमुख कहानियां- मेहमान रहमत या जहमत; जर्द गुलाब; सुल्तान सलाहउद्दीन बादशाह।
उनको कई सारे सामानों से पुरस्कृत किया गया है जैसे सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार; उर्दू अकादमी; उत्तर प्रदेश; अखिल भारतीय लेखिका संघ अवार्ड; मुसंनाफीन अवार्ड।

सारांश

नमक कहानी का मूल चरित्र सपिया है जो किसी कीर्तन के मौके पर आमंत्रित होने पर अपनी पड़ोसी सिख बीबी के घर जाती है जहां सिख बीबी को देखकर उसे अपनी मां स्मरण हो आती है वही कद काठी। लाहौर की याद में सिख बीबी की आंखों से अश्रु का बहाव होने लगा - "फिर पलकों से कुछ सितारे टूटकर दूधिया आंचल में समा जाते है।"
सफिया लाहौर 15 दिन रुकी जहां उसे अपने सगे संबंधियों से अत्यंत प्यार का सौगात प्राप्त होता ही गया, लेकिन वही पर उसे एक कड़वी सच का भी आभास हुआ जो कि नमक एक छोटी सी चीज पर गैरकानूनी का मोहर लगा दिया गया है। प्रेम के स्थान पर राजनीति एवं हिंसा ने अपने चरमोत्कर्ष दिखा दिया- नमक तो नहीं ले जा सकते, गैरकानूनी है।"
'नमक' सफिया की मां द्वारा मंगाई गई एक प्रेम की सौगात है जिसे वह हर कीमत पर अपनी मां तक पहुंचाएगी।गैरकानूनी प्रेम के सौगात सफिया हिंदुस्तान और पाकिस्तान की एकता का मेवा (कीनू) के बीच में रखते हुए लेकर जाएगी लेकिन सफिया के लिए 'नमक'एक वादे का प्रतीक बन चुका था इसलिए नमक को चोरी छिपाए सरहद पार लेकर जाने का द्वंद क्रमशः उसके मस्तिष्क को नहीं छोड़ रहा था, इसी द्वंद्वात्मक परिस्थिति को मिटाने के लिए तो उसने नमक को स्वाभिमान के साथ कस्टम वालों को दिखाते हुए सरहद के पार ले कर जाने के का निश्चय किया- "एकदम से उसने फैसला किया कि मोहब्बत का यह तोहफा चोरी से नहीं जाएगा, नमक कस्टमवालों को दिखाएगी वह। " सफिया 'नमक' को सत्य के मार्ग से अपनी बहादुरी को दर्शाते हुए लाहौरी कस्टमवाले के समक्ष प्रस्तुत कर देती है। लाहौरी कस्टमर अधिकारी भी इसी विभाजित राजनीतिक चक्रव्यूह में फंसकर अपने देश, मिट्टी (देहली) को पीछे छोड़कर नए सत्य लाहौर को स्वीकारने के लिए बाध्य हो गया है-" "जी, जब पाकिस्तान बना था तभी आए थे, हमारा वतन तो देहली ही है।"
धरती पर लोहे की जंजीर बनाकर मन के स्वरों को कदापि लुप्त नहीं किया जा सकता। सरहद पार करते वक्त सफिया को दोनों देशों में कोई अंतर महसूस नहीं हुआ-"कुछ समझ में नहीं आता था कि कहां से लाहौर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया? एक जमीन थी, एक जवान थी, एक सी सूरते और लिबास, एक सा लबोलहजा और अंदाज थे।"
भारत में आकर सफिया अपनी प्रेम के उपहार को हिंदुस्तानी कस्टम अधिकारी के सामने प्रत्यक्षीकरण कर देती है। भारतीय कस्टम अधिकारी भी विभाजन के मार्ग को झेलते हुए ढाका से अमृतसर में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी से निभा रहा है- " जा डिवीजन हुआ तभी आए, मगर मेरा वतन ढाका है।
1947 डिवीजन के कारण किन्ही लोगों की लालच के कारण पूर्ण भारत टुकड़ो में विभाजित हो गया था। अपने देश से दूर अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकारते हुए किसी अन्य देश को अपना बनाते हुए भूमि को अपना कर्तव्य स्थान स्वीकारने के लिए कितने ही लोग मजबूर हो गए। सफिया अमृतसर के पुल पर चढ़ते हुए सोचती जा रही थी- "किसका वतन कहां है- वह कस्टम के इस तरफ है या उस तरफ।"

शब्दार्थ

सौगात- उपहार, अजीजो- प्रिय, हुकूमत- शासन, मुरव्वत- उदारता, आदमियत- मनुष्यता, सरहद- सीमा।

लघु प्रश्न

1) " मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कनून हैरान रह जाता है।"
क) प्रस्तुत पंक्ति की लेखिका का नाम क्या है?
उ: रजिया सज्जाद जाहिर।

ख) प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।
उ: प्रेम या मुहब्बत एक ऐसी भाव है जो समाज के प्रत्येक प्राणी को एक दुसरे से जोड़ता है। कानून कितनी ही सक्त क्यों न हो किंतु मनुष्य के हृदय के भाव उसपर अपना मिजाज दिखा ही देता है। जिस प्रकार पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी कानून की परवाह किये बिना सफिया को उसके प्रेम की सौगात बिना रोक- टोक के सरहद पार ले जाने के लिये साहयता प्रदान करता है।

2) " रफ्ता रफ्ता सब ठीक हो जएगा।"
क) प्रस्तुत पंक्ति किसका कथन है?
उ: पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी।

ख) प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।
उ: विभाजन की दशा में कडोरो हिंदूस्तानियो को अपने देश से विस्थापित होना पडा लेकिन लोगों के अंदर वही प्यार और जज़्बात थी। पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी को यही आशा है कि अगर अपनी मातृभुमि के प्रति यही प्यार और लगाव रहे तो एक दिन फिर से दोनों देश अपनी असलियत में आ सकेगी।

3) "भावना के स्थान पर बुद्धि धीरे ध्रीरे हावी हो रही थी।"
क) प्रस्तुत पंक्ति में किसकी भावना के विषय में बताया जा रहा है?
उ: सफिया।

ख) प्रस्तुत पंक्ति का मूल भाव स्पष्ट कीजिये।
उ: अपनी मुंह बोली माँ के लिए प्रेम के सौगात 'नमक' को सरहद पार हिंदुस्तान ले जाने के लिए भवनाओं में बहकर अपने पकिस्तानी पुलिस भाई से तर्क- वितर्क में उलझी रही परंतु उसे अहसास हुआ कि भवनाओं से उठकर दिमाग से, बुद्धि से कोई उपाय निकालकर ही वह अपनी माँ सिख बीबी के लिए अनुग्रहित सौगात उनतक पहुंचा सकती है।

4) "लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा।"
क) 'उनका' से कौन सांकेतिक है?
उ: सिख बीबी।

ख) प्रस्तुत पंक्ति में किस मनोभवना को उजागर किया गया है?
उ: प्रस्तुत पंक्ति में देश की मिट्टी के लिए एक अनोखे अपनेपन प्रस्तुत को किया गया है। अपनी मिट्टी, अपनी जन्मभूमि, अपना देश चिरकाल ही अपना होता है। चाहे कितनी ही मजबूरी क्यों न आ जाए मनुष्य की मानसिकता, परंपरा और संस्कृति उसी से जुड़ी रहती है उसे वह कभी नहीं भुला पाता।

5) " कुछ समझ में नहीं आता कहाँ पर लहौर खतम हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरु हो गया।"
क) किसका कथन है?
उ: सफिया।

ख) प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।
उ: 1947 में देश विभाजन होने के बावजूद, लोगों के विस्थापित होने के बावजूद, नए कर्तव्य भूमि में अपना कर्तव्य बखूबी से निभाने के बावजूद दोनों देशों में विस्थापित लोगों का रहन- सहन, पहनावे, बोलचाल हर एक अंदाज में सामंजस्य रखता था। सरहद का जंगल तो सिर्फ कानूनी मुखापेश है, पाकिस्तानियों और हिंदुस्तानियों की परंपरा और संस्कृति नहीं।

6) " फिर पलकों से कुछ सितारे टूटकर दुधिया आंचल में समा जाते है।"
क) प्रस्तुत पंक्ति की लेखिका का नाम क्या है?
उ:रजिया सज्जाद जाहिर।
ख) प्रस्तुत पंक्ति का मूल भाव स्पष्ट कीजिये।
उ: सिख बिबी जब सफिया को अपनी देश अर्थात जन्मभूमि लाहौर की यादों में घेर ली थी तब अचानक वही यादें उनकी आंखों से सितारों की तरह दूधिया अश्रु बनकर उनके आंचल में समा गए। मनुष्य की स्मृतियां ही उनके लिए सर्वस्व संपत्ति होती है और वही मिलती जब चित्र के रूप में आंखों के स्मृति जब चित्र के रूप में उभर आते हैं तो फिर वही स्मृति एक मूल्यवान अश्रु की भाँति आंखों में समा जाते है।

Teacher's Name - Riya Saha